भारतीय नौसेना ने ASW SWC परियोजना के साथ आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में भारतीय नौसेना के जहाज़ निर्माण कार्यक्रम ने 08 x ASW (एंटी-सबमरीन वारफेयर) शैलो वॉटर क्राफ्ट परियोजना के 5वें और 6वें जहाज़ों **'अग्रे'** तथा **'अक्षय'** के लॉन्च के साथ एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

- इन जहाज़ों का निर्माण भारतीय नौसेना के लिये कोलकाता में **M/S गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE)** द्वारा किया जा रहा है।
- ये जहाज़ पुराने **अभय क्लास कार्वेट** से अधिक उन्नत अ**र्नाला क्लास** में संक्रमण का संकेत देते हैं, जो तटीय जल में पनडुब्बी रोधी और खदान बिछाने के संचालन के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- यह परियोजना **80% से अधिक सामग्री घरेलू स्तर** पर प्राप्त करके स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- उल्लेखनीय रूप से पिछले वर्ष, कुल 9 युद्धपोतों के लॉन्च के साथ **3 स्वदेशी युद्धपोतों/पनडुब्बियों** की आपूर्ति की गई है, जो आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपनी समुद्री क्षमताओं को मज़बूत करने के देश के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है।

और पढ़ें: रक्षा का स्वदेशीकरण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-navy-advances-atma-nirbhar-bharat-with-asw-swc-project